Course-M.A (Education),Part --2
Paper- 11th Educational Administrative practices
Prepared by -Dr Meena Kumari
Topic- Concept of Educational Administration

------------’-------’-------’-----------’-------------------’-------------

शैक्षिक प्रशासन की अवधारणा

> 1-प्रस्तावना- कोई भी संस्था बिना प्रशासन के नहीं चल सकता, चाहे वह विद्यालय हो या विश्वविद्यालय। संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक आवश्यक और प्रभावी प्रशासन की आवश्यकता होती है। शिक्षा के प्रशासन की प्रणाली अन्य प्रशासन की प्रणाली से भिन्न होती है क्योंकि इसमें मानव के विकास से संबंधित मूल्य जुड़े होते हैं ।शैक्षिक प्रशासन में वह सभी क्रियाएं आती है जो शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जाती है ।इन क्रियाओं को संपन्न कराने के लिए शैक्षिक संस्थाओं में संबंधित मानवीय संसाधन संसाधनों तथा भौतिक संसाधनों को नियोजित तथा प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जाता है। इस दृष्टि से साक्षी प्रशासन का का संस्थान में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है।

> 2- शैक्षिक प्रशासन का अर्थ- शिक्षा प्रशासन का अर्थ है शिक्षा के क्षेत्र में प्रशासन ।शैक्षिक संस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रशासन का होना अति आवश्यक है। शैक्षिक प्रशासन की शुरुआत लोक प्रशासन के अंग के रूप में हुई थी ।वस्तुतः शिक्षा प्रशासन लोक प्रशासन का ही एक अंग है।यह दो शब्दों से मिलकर बना है शिक्षा तथा प्रशासन ।शिक्षा के उद्देश्यों को जब प्रभावी योजनाओं तथा मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा प्राप्त की जाती है।
शैक्षिक प्रशासन एक व्यापक प्रक्रिया है जिसमें शिक्षा संबंधित नीतियों एवं योजनाओं को राष्ट्रीय हित् तथा विकास के उद्देश्य से बनाई जाती है। अतः शैक्षिक प्रशासन के द्वारा राष्ट्र की मांग के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। प्रशासन के द्वारा ही शैक्षिक संस्थाओं की व्यवस्था, नीतियों का निर्धारण ,नियोजन ,संगठन, निर्देशन एवं नियंत्रण किया जाता है ।शैक्षिक प्रशासन के कुछ प्रमुख परिभाषा निम्नलिखित रुप से है।
१)"इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन रिसर्च " के अनुसार शैक्षिक प्रशासन संबंधित व्यक्तियों के प्रयासों को एकत्रित करने तथा समुचित सामग्री को इस ढंग से उपयोग करने की प्रक्रिया है जिससे मानवीय गुणों का विकास प्रभावशाली ढंग से किया जा सके।।
२)"क्रैमबेल तथा अन्य" के अनुसार शिक्षा प्रशासन में शिक्षण तथा सीखने की प्रक्रिया से संबंधित लक्ष्य तथा नीतियों के विकास को प्रोत्साहित करने वाली सुविधाएं निहित है। यह शिक्षक तथा सीखने के उपयुक्त कार्यक्रम के विकास की प्रोत्साहन प्रदान करता है साथ ही शिक्षण तथा सीखने की प्रक्रिया को संचालित करने के लिए भौतिक तथा मानवीय तत्वों की व्यवस्था करता ।
३) " बैलफॉर ग्राहम"_ शिक्षा प्रशासन उपयुक्त बालकों को उपयुक्त शिक्षकों द्वारा समुचित शिक्षा प्राप्त करने के योग बनाना है जिससे वे उपलब्ध अधिक साधनों का उपयोग करके अपने प्रशिक्षण से सर्वोत्तम को प्राप्त करने में समर्थ हो सके।
४) फॉक्स, विश तथा रफनर के अनुसार शैक्षिक प्रशासन एक सेवा कार्य है जिसके द्वारा शैक्षिक प्रक्रियाओं के उद्देश्य की प्राप्ति प्रभावशाली ढंग से की जा सकती है !
उपरोक्त परिभाषा के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक प्रशासन:___----
१)शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण साधन है!

२)सभी प्रयासों एवं साधनों को क्रियाशील बनाता है जो मिलकर कार्य करने पर सफल हो सकता है
३)छात्रों ,शिक्षकों ,अभिभावकों तथा शैक्षिक क्रियाओं के समन्वित प्रयासों को दिशा प्रदान करके व्यक्ति एवं समाज दोनों की प्रगति में सहायता प्रदान करता है!
४)शैक्षिक प्रशासन, विभिन्न प्रकार के मानव तथा भौतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग करके व्यवस्थापन, निर्देशन तथा सभी प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है!
अत: हम कह सकते हैं कि शैक्षिक प्रशासन शिक्षा संबंधित सभी प्रयासों एवं संस्थाओं को संगठित कर केउद्देश्यों को हासिल करने का प्रयास करता है! गुणात्मक तथा .परिमाणात्मक विकास की दिशा में शैक्षिक प्रशासन हमेशा सक्रिय रहता है !शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशासनिक निर्णय लेकर वांछित लक्ष्य की प्राप्ति की ओर आगे बढाता रहता है!

› 3-शैक्षिक प्रशासन के उद्देश्य एवं लक्ष्य:_--
१)संगठन के कार्य की दिशा निर्धारण हेतु!
२) कार्य में निश्चितता तथा सार्थकता हेतु!
३)समय बद्धता हेतु!
४)संभावित कठिनाइयों के निवारण हेतु!
५)संगठन संचालन में सहायक!
६)वांछित परिणाम प्राप्ति हेतु!

›4-शैक्षिक प्रशासन की प्रक्रिया--शैक्षिक प्रशासन से जुड़ी हुई सभी कार्यों को करने के लिए इसे कुछ प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है !इस संबंध में सिर्यस ने एक सिद्धांत दिया था जिसके अनुसार विभिन्न प्रक्रियाओं को मिलाकर शैक्षिक प्रशासन संबंधित उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है !
१)नियोजन(planning)-नियोजन एक बौद्धिक प्रक्रिया है! यह कार्य करने के मार्ग का निर्धारण करती है! इसका काम निर्णय व उद्देश्य,तथ्यों तथा विचार पूर्वक लगाए गए अनुमानों पर आधारित रहता है!शैक्षिक प्रशासन शैक्षिक उद्देश्यों को निर्धारित करता है, इसके लिए जो कार्य किया जाता है वह पूर्वानुमान पर आधारित होता है !अत: कार्यप्रणाली निर्धारित करने एवं कार्यक्रम बनाकर नियम पूर्वक उसे लागू करने को ही नियोजन कहते हैं !साधनों की व्यवस्था करना तथा युक्तियों का निर्धारण करना यह सभी संदर्भ नियोजन से संबंधित होते हैं!
२) संगठन(organisation):_l प्रशासन, संगठन के लिए भौतिक संसाधनों का व्यवस्था करता है- भवन ,फर्नीचर तथा सभी भौतिक संसाधनों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी प्रक्रियाओं के संचालन में जो भी भौतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है सभी को मुहैया कराना ही संगठन कहलाता है!
३) निर्देशन (Direction) :-. सियर्स के अनुसार प्रशासन में संचालन का कार्य निर्णय को प्रभावित करना है !कार्य को आरंभ करने का संकेत देना है ,यह बतलाना है कि कार्य को कब आरंभ किया जाए और कब समाप्त किया जाए! इस लिहाज से निर्देशन बहुत महत्वपूर्ण है !अत: इसे कोई उत्तरदायित्व संपन्न व्यक्ति ही निर्देशन का कार्य कर सकता है !
४) समन्वय (Cordination):- शैक्षिक प्रशासन में विभिन्न क्रियाओं का समन्वय किया जाता है तथा हर व्यक्ति के सहयोग उसके पद, क्षमता तथा भूमिका के अनुसार लिया जाता है! सिर्यस के अनुसार प्रशासन में समन्वय क्रियाशील व्यक्ति ,सामग्री तथा साधनों के बीच इस आशा से मधुर संबंध स्थापित करता है जिससे सभी मिलकर किसी कार्य को प्रभावी ढंग से उददेश्यो को प्राप्त कर सके!
५)मूल्यांकन तथा नियंत्रण(Control and Evaluation):--- शैक्षिक प्रशासन का यह एक महत्वपूर्ण कार्य है! संस्था की गतिविधियों की प्रगति ,उसकी स्थिति ,पाठ्यक्रम का निर्माण, संचालन, शिक्षण विधियों आदि का मूल्यांकन किया जाता है! इसमें अधिकार तथा कर्तव्यों की सीमा में प्राप्त उपलब्धियों का आकलन किया

जाता है !सीर्यस का कहना है कि कोई भी प्रशासन तब तक संबंधित व्यक्तियों वस्तु तथा लक्ष्य पर भली-भांति नियंत्रण न कर ले तब तक वह भली भांति निर्देशन भी नहीं कर सकता है!

> 5-शैक्षिक प्रशासन के कार्य- प्रशासन के विश्लेषण पर पता चलता है कि शैक्षिक प्रशासन के निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य है---

१)शैक्षिक संगठन की व्यवस्था करना!
२)कर्मचारियों की नियुक्ति करना तथा सेवा कार्य की दिशाओं को उन्नत करना!
३) संगठन से जुड़े हुए सभी व्यक्तियों के लिए नवीन योजनाएं बनाना तथा उनका क्रियान्वयन करना!
४) अनुशासन की व्यवस्था करना
५)संगठन में वांछित संसाधनों संसाधनों की व्यवस्था करना!
६)शिक्षा से संबंधित समस्याओं का पता लगाना तथा उनका समाधान खोजना!
७)शैक्षिक प्रक्रियाओ का संगठन करना तथा नवीन तथा नवाचारी शिक्षण विधियों का चयन करना!
८) मानवीय संबंधों को विकसित करना
९)मानवीय कल्याण के लिए कार्य करना
१०) संगठन के सभी तत्वों के बीच समन्वय बनाकर रखना!
११ संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति करना
१२) समय-समय पर संगठन का मूल्यांकन करना ताकि कमियों का पता चल सके आदि !